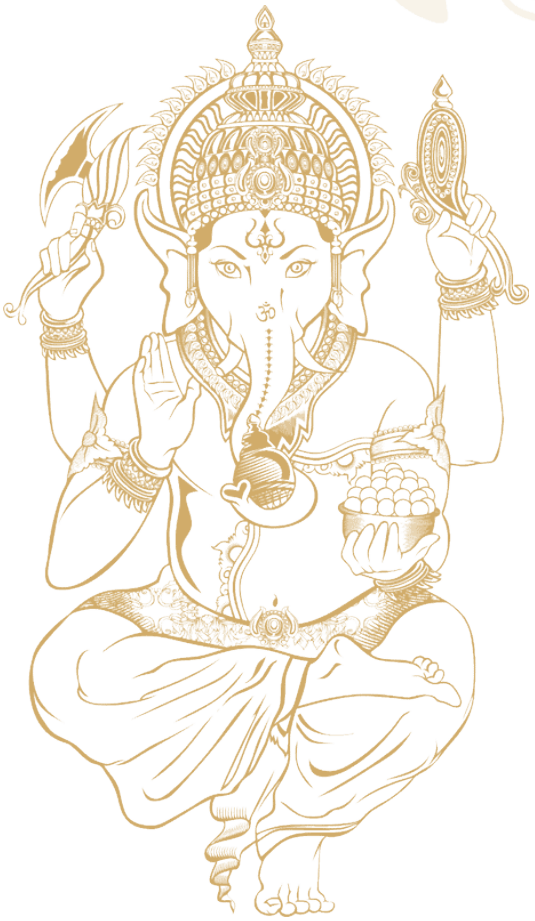

Vijai Bahadur Singh

16 Dec 1954

11:11 AM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408810

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/12/1954**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:11:00 घंटे**
इष्ट	10:46:30 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल	16:38:43 घंटे
सूर्योदय	06:52:24 घंटे
सूर्यास्त	17:17:32 घंटे
दिनमान	10:25:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	00:30:00 धनु
लग्न के अंश	08:48:57 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	प्रीति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	08:48:57	476:59:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
सूर्य			धनु	00:30:00	01:01:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	20:35:27	12:39:51	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	15:16:01	00:42:56	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	25:20:01	01:33:49	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	05:20:12	00:05:28	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			तुला	23:27:13	00:22:34	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि			तुला	23:34:46	00:06:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु			धनु	12:22:39	00:00:38	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	12:22:39	00:00:38	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व		कर्क	03:41:42	00:02:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
नेप			तुला	04:27:15	00:01:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	03:29:41	00:00:30	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			वृश्चि	18:00:32	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:13:57

लग्न-चलित

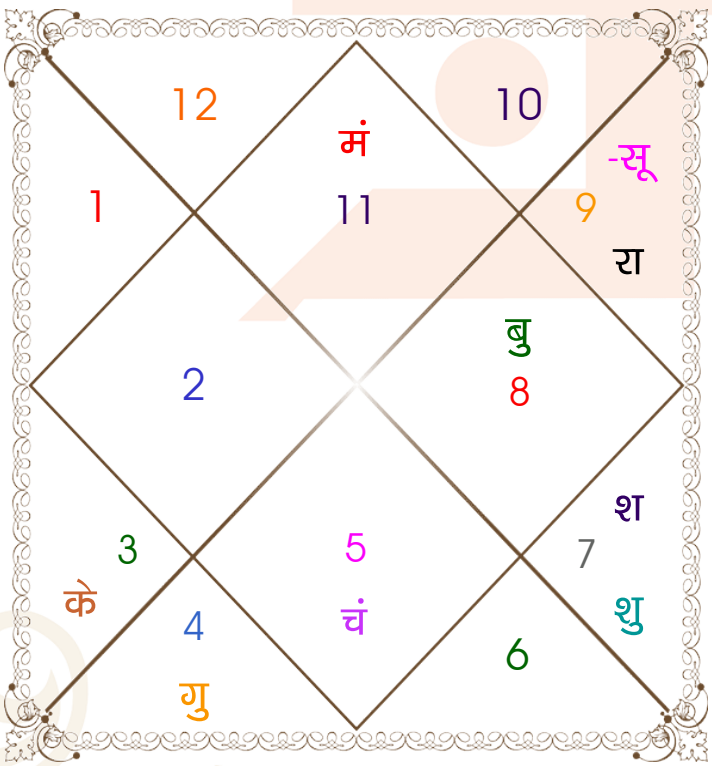

चन्द्र कुंडली

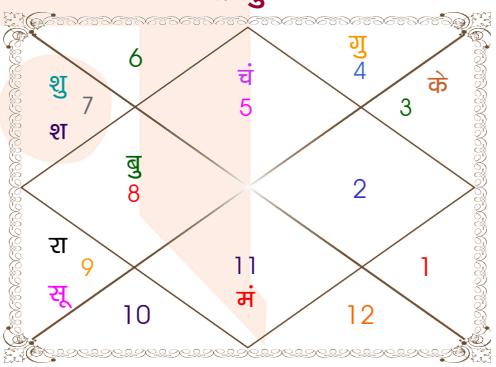

नवमांश कुंडली

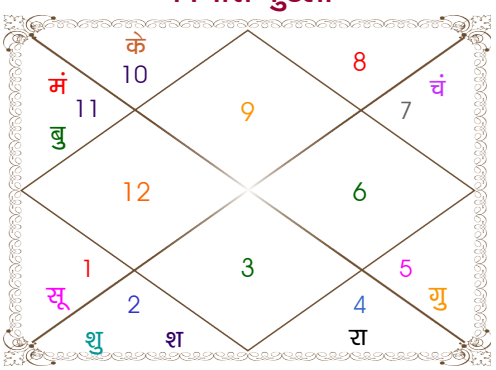

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 1 मास 11 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/12/1954		27/01/1964		26/01/1970		27/01/1980		27/01/1987	
27/01/1964		26/01/1970		27/01/1980		27/01/1987		26/01/2005	
	00/00/0000	सूर्य	15/05/1964	चंद्र	27/11/1970	मंगल	24/06/1980	राहु	09/10/1989
	00/00/0000	चंद्र	14/11/1964	मंगल	28/06/1971	राहु	12/07/1981	गुरु	03/03/1992
	00/00/0000	मंगल	22/03/1965	राहु	27/12/1972	गुरु	18/06/1982	शनि	08/01/1995
	00/00/0000	राहु	14/02/1966	गुरु	28/04/1974	शनि	28/07/1983	बुध	28/07/1997
	16/12/1954	गुरु	03/12/1966	शनि	27/11/1975	बुध	24/07/1984	केतु	15/08/1998
गुरु	26/11/1956	शनि	15/11/1967	बुध	27/04/1977	केतु	20/12/1984	शुक्र	15/08/2001
शनि	27/01/1960	बुध	20/09/1968	केतु	26/11/1977	शुक्र	20/02/1986	सूर्य	10/07/2002
बुध	27/11/1962	केतु	26/01/1969	शुक्र	28/07/1979	सूर्य	27/06/1986	चंद्र	08/01/2004
केतु	27/01/1964	शुक्र	26/01/1970	सूर्य	27/01/1980	चंद्र	27/01/1987	मंगल	26/01/2005

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/01/2005		26/01/2021		27/01/2040		26/01/2057		27/01/2064	
26/01/2021		27/01/2040		26/01/2057		27/01/2064		00/00/0000	
गुरु	16/03/2007	शनि	30/01/2024	बुध	24/06/2042	केतु	24/06/2057	शुक्र	28/05/2067
शनि	27/09/2009	बुध	09/10/2026	केतु	22/06/2043	शुक्र	24/08/2058	सूर्य	28/05/2068
बुध	02/01/2012	केतु	18/11/2027	शुक्र	21/04/2046	सूर्य	30/12/2058	चंद्र	26/01/2070
केतु	08/12/2012	शुक्र	17/01/2031	सूर्य	26/02/2047	चंद्र	31/07/2059	मंगल	28/03/2071
शुक्र	09/08/2015	सूर्य	30/12/2031	चंद्र	27/07/2048	मंगल	27/12/2059	राहु	28/03/2074
सूर्य	28/05/2016	चंद्र	31/07/2033	मंगल	25/07/2049	राहु	14/01/2061	गुरु	16/12/2074
चंद्र	27/09/2017	मंगल	08/09/2034	राहु	11/02/2052	गुरु	21/12/2061		00/00/0000
मंगल	02/09/2018	राहु	15/07/2037	गुरु	19/05/2054	शनि	30/01/2063		00/00/0000
राहु	26/01/2021	गुरु	27/01/2040	शनि	26/01/2057	बुध	27/01/2064		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 2 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप अकर्मण्य नहीं है। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगे।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगे। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगे। आप श्रेष्टतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगे तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगे।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करते हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता हैं तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देते हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु के हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव के प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे। आप भगवान के भक्त एवं धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही व्यक्ति है। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी की कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों की पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आपकी वृद्धावस्था में कुछ रोगो के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकते हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगो का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार के स्वामी होंगे। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमती पत्नी के पति एवं प्रिय संतानों के पिता होंगे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा

प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।